सार्डिस में चर्च को एक संदेश: नए नियम के ग्रीक पाठ के संदर्भ में प्रोटेस्टेंट सिद्धांतों की जांच

शास्त्रों में निहित विरोधाभासों के परिप्रेक्ष्य से प्रोटेस्टेंट सिद्धांतों की रूपरेखा तैयार करना

प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में, यीशु एशिया माइनर में सात कलीसियाओं को संबोधित करते हैं, उनकी आध्यात्मिक स्थिति के आधार पर उनकी प्रशंसा करते हैं, उन्हें फटकारते हैं और पश्चाताप का आह्वान करते हैं। इनमें से, सार्डिस की कलीसिया विशेष रूप से प्रोटेस्टेंट सिद्धांतों की इस परीक्षा को नए नियम की विरोधाभासों के प्रकाश में प्रस्तुत करने के लिए उपयुक्त है। प्रकाशितवाक्य 3:1-3 में यीशु सरदीस से कहते हैं (ग्रीक: □□□□□;□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□ □ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□, □□□ □□□□□□ □□. □□□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □ □□□□□□□ □□□□□□□□□□ मैं आपको एक बार फिर से एक संदेश भेजना चाहता हूं। □□□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□□□।□□□□□;
- शाब्दिक अनुवाद: और सरदीस की कलीसिया के दूत को लिखो: परमेश्वर की सात आत्माओं और सात तारों वाले ने ये बातें कही हैं: मैं तुम्हारे उन कामों को जानता हूँ जिनसे तुम जीवित होने का दावा करते हो, जबकि तुम मरे हुए हो। सावधान रहो और जो शेष मरने वाले हैं उन्हें बल दो; क्योंकि मैंने तुम्हारे कामों को अपने परमेश्वर के सामने पूरा नहीं पाया है। इसलिए याद रखो कि तुमने कैसे पाया, सुना, माना और पश्चाताप किया।

यह निंदा एक ऐसे चर्च को उजागर करती है जिसका नाम (□□□□□) या प्रतिष्ठा जीवित (□□□) होने की है, फिर भी वह आध्यात्मिक रूप से मृत (□□□□□□) है, और जिसके कार्य (□□□□) अपूर्ण (□□... □□□□□□□□□□ – अधूरे) हैं। प्रोटेस्टेंटवाद, सुधार, केवल शास्त्र पर आधारित शिक्षा और केवल विश्वास पर ज़ोर देने के कारण, अक्सर बाइबिल के प्रति निष्ठा और जीवंत विश्वास के लिए जाना जाता है। हालाँकि, नीचे बताई गई पाठ्य विसंगतियाँ – जो केवल नए नियम के ग्रीक पाठ से ली गई हैं – उन क्षेत्रों को दर्शाती हैं जहाँ सिद्धांत सुदृढ़ प्रतीत हो सकते हैं, लेकिन बाइबिल के पूर्ण प्रमाण से कम पड़ते हैं, ठीक उसी तरह जैसे सार्डिस के अपूर्ण कार्य थे। यह उन बातों को याद रखने (जो सुनी और समझी गई थीं) (□□□□□□□ □□□ □□□□□□□), सतर्कता (□□□□□□□□) और पश्चाताप (□□□□□□□□□□) का आह्वान करता है जो शेष हैं उन्हें मजबूत करने के लिए। निम्नलिखित विश्लेषण को एक सुसंगत दस्तावेज़ में संकलित और व्यवस्थित करता है, जिसमें प्रमुख प्रोटेस्टेंट सिद्धांतों और नए नियम के ग्रंथों के साथ उनके मतभेदों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, और पूर्णता के लिए अतिरिक्त विरोधाभासों को भी शामिल किया गया है, जिनमें मार्टिन लूथर (जैसे, इच्छा का बंधन, केवल विश्वास द्वारा औचित्य), जॉन कैल्विन (जैसे, सीमित प्रायश्चित, बिना शर्त चुनाव) और उलरिच ज़्विंगली (प्रतीकात्मक संस्कार) और जॉन नॉक्स (पूर्वनियति पर जोर) जैसे अन्य सुधारकों के कार्यों से प्रेरित विरोधाभास शामिल हैं।

प्रोटेस्टेंट धर्म के मूल सिद्धांत और नए नियम के ग्रीक पाठ में निहित विरोधाभास

प्रोटेस्टेंटवाद में कई शाखाएँ शामिल हैं, लेकिन यह □□□□□;पांच सोलास□□□□□; जैसे सिद्धांतों पर केंद्रित है। यह खंड नए नियम के ग्रीक ग्रंथों के संदर्भ में इन सिद्धांतों की जांच करता है, और विशुद्ध रूप से शब्दांकन, व्याकरण और संरचना के आधार पर समर्थन और विरोधाभासों को उजागर करता है।

1. सोला फिडे (केवल विश्वास द्वारा औचित्य) - लूथर द्वारा इस पर जोर दिया गया

यह सिद्धांत, जो लूथर के धर्मशास्त्र का केंद्रीय हिस्सा है (उदाहरण के लिए, रोमियों और गलातियों पर उनकी टिप्पणी में), केवल विश्वास के आधार पर ही औचित्य प्रदान करता है, कर्मों का इसमें कोई योगदान नहीं होता।

सहायक पाठ: इफिसियों 2:8-9 - □□□□□;□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□ जब आप एक वर्ष के लिए जाते हैं, तो आप इसे प्राप्त कर सकते हैं □□□□□□□□□□।□□□□□; (कृपा से, विश्वास के द्वारा तुम्हारा उद्धार हुआ है... कर्मों से नहीं।)

विरोधाभास: जेम्स 2:24 - □□□□□;□□□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□□□।□□□□□; (कार्यों से कोई व्यक्ति न्यायसंगत होता है, न कि केवल विश्वास से।) जेम्स पृथक विश्वास को नकारने के लिए □□□□□;□□□□□□□□□□; का उपयोग करता है, 2:21-22 में विश्वास को कार्यों द्वारा □□□□□;सद्धि□□□□□; (□□□□□□□□□□) दिखाया गया है।

2. बपतिस्मा एक प्रतीकात्मक अनुष्ठान के रूप में (पुनर्जन्मदायक नहीं) – सुधारकों के बीच भिन्नता पाई गई (उदाहरण के लिए, ज़्विंगली का प्रतीकात्मक दृष्टिकोण)

लूथर और केल्विन बपतिस्मा को अनुग्रह प्रदान करने के रूप में देखते थे (विशेषकर शिशुओं के लिए), लेकिन कई प्रोटेस्टेंट (ज़्विंगली से प्रभावित) इसे प्रतीकात्मक रूप में देखते हैं।

सहायक पाठ: रोमियों 6:3-4 - □□□□□;□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□...□□□□□; (उनकी मृत्यु में बपतिस्मा हुआ... मिलन का प्रतीक।)

विरोधाभास:

- अधिनियम 2:38 - □□□□□;□□□□□□□□□□ □□□□□□□... □□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□□□।□□□□□; (पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा लें।)
- तीतुस 3:5 - □□□□□;□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□।□□□□□; (पुनर्जनन की धुलाई और पवित्र आत्मा के नवीनीकरण के माध्यम से बचाया गया।)
- 1 पतरस 3:21 - □□□□□;□□□ □□□□□ □□□□□□□□...□□□□□; (बपतिस्मा अब बचाता है... प्रतिरूप के रूप में।)

प्रस्तावित संकल्प को संबोधित करते हुए: □□□□□;□□□□□□□□; समन्वित वाक्यांशों (□□□□□;पुनर्जनन और नवीनीकरण का धुलाई□□□□□;) को जोड़ता है, उन्हें समतुल्य नहीं करता; संरचना विशिष्ट तत्वों को प्रस्तुत करती है।

3. संतों का दृढ़ संकल्प (एक बार उद्धार पाने के बाद, हमेशा के लिए उद्धार) – कैल्विन के धर्मशास्त्र में महत्वपूर्ण बिंदु

कैल्विन ने सिखाया कि चुने हुए लोग शाश्वत रूप से बने रहते हैं।

सहायक पाठ: रोमियों 8:38-39 - □□□□□;□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□... □□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□...□□□□□; (कोई भी चीज हमें ईश्वर से अलग नहीं कर सकती प्यार।)

विरोधाभास: इब्रानियों 6:4-6 - □□□□□;□□□□□□□□□... □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□□... □□□ □□□□□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□□□□...□□□□□; (उन प्रबुद्ध लोगों को नवीनीकृत करना असंभव है जो अभी तक दूर हो गए हैं।)

4. प्रभु भोज मात्र एक प्रतीक के रूप में – ज़्विंगली द्वारा समर्थित

लूथर सह-अस्तित्ववाद में विश्वास रखते थे, लेकिन ज़्विंगली और कई प्रोटेस्टेंट इसे विशुद्ध रूप से प्रतीकात्मक मानते हैं।

सहायक पाठ: 1 कुरिन्थियों 11:24-25 - □□□□□;□□□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□□□□□□।□□□□□; (मेरी याद के लिए ऐसा करो।)

विरोधाभास:

- जॉन 6:53-56 - □□□□□;□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□... □ □□□□□□□ □□□ □□□ □□□□□□... □□ □□□□□ □□□□□।□□□□□; (जब तक तुम मांस नहीं खाते... कुतरने वाला मुझमें रहता है।)
- 1 कुरिन्थियों 11:27-29 - □□□□□;□□□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□□□□□... □□□□□ □□□□□ □□□□□□□।□□□□□; (शरीर और रक्त का दोषी... निर्णय खाता है।)

5. केवल ईश्वर के समक्ष सीधे पाप स्वीकार करना – प्रोटेस्टेंट विचारधारा में यह आम बात थी

लूथर जैसे सुधारकों ने पुजारियों के सामने मौखिक रूप से पाप स्वीकार करने की प्रथा को अस्वीकार कर दिया।

सहायक पाठ: 1 जॉन 1:9 - □□□□□;□□□ □□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□... □□□ □□□□।□□□□□; (अगर हम कबूल कर लें... तो वह माफ कर देता है।)

विरोधाभास:

- जेम्स 5:16 - □□□□□;□□□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□□।□□□□□; (एक दूसरे के सामने कबूल करें।)
- जॉन 20:23 - □□□□□;□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□।□□□□□; (यदि आप क्षमा करें... तो उन्हें क्षमा कर दिया गया है।)

6. अंतिम न्याय कर्मों पर आधारित नहीं होगा – यह केवल लूथर के विश्वास से जुड़ा होगा।

न्याय करते समय लूथर ने कर्मों की अपेक्षा आस्था पर जोर दिया।

सहायक पाठ: रोमियों 3:28 - □□□□□;□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□।□□□□□; (कानून के कार्यों के अलावा विश्वास द्वारा उचित ठहराया गया।)

विरोधाभास: मैथ्यू 25:31-46 - □□□□□;□□□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□□□□... □□□ □□□□ □□□□□□□□□□...□□□□□; (मैं भूखा था और तुमने दिया...जितना तुमने किया।)

7. सभी विश्वासियों का पुरोहितत्व (कोई पदानुक्रमित पादरी वर्ग नहीं) – लूथर का ज़ोर

लूथर ने सिखाया कि सभी विश्वासी पुजारी हैं, जिससे पादरियों की भूमिका कम हो गई।

सहायक पाठ: 1 पतरस 2:9 - □□□□□;□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□...□□□□□; (शाही पुरोहिती।)

विरोधाभास:

- 1 तीमुथियुस 5:17 - □□□□□;□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□□...□□□□□; (सत्तारूढ़ बुजुर्ग दोहरे सम्मान के योग्य हैं।)
- अधिनियम 14:23 - □□□□□;□□□□□□□□□□□□□□□... □□□□□□□□□□□□□।□□□□□; (नियुक्त/नियुक्त बुजुर्ग।)
- 2 तीमुथियुस 1:6 - □□□□□;□□□ □□□ □□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□...□□□□□; (हाथ रखकर उपहार।)

8. बीमारों के लिए प्रतीकात्मक अभिषेक - कुछ प्रोटेस्टेंट विचारों के अनुरूप

प्रार्थना के माध्यम से उपचार, शारीरिक अनुष्ठानों को कम महत्व देना।

सहायक पाठ: जेम्स 5:15 (आंशिक) - □□□□□;□ □□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□...□□□□□; (विश्वास की प्रार्थना बचाएगी।)

विरोधाभास: जेम्स 5:14-15 - □□□□□;□□□□□□□□□□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□... □□□□□□□□□□ □□□□।□□□□□; (तेल से अभिषेक करके उसके लिए प्रार्थना करें... पाप क्षमा हो गए।)

9. आध्यात्मिक वरदानों का अंत - नॉक्स जैसे कुछ सुधारकों द्वारा माना गया

प्रेरितों के बाद चमत्कारिक वरदानों का प्रचलन समाप्त हो गया।

सहायक पाठ: 1 कुरिन्थियों 13:8-10 - □□□□□;□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□□□□□□... □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□...□□□□□; (भविष्यवाणियां तब बंद हो जाएंगी जब आदर्श आएगा।)

विरोधाभास:

- 1 कुरिन्थियों 14:1, 39 - □□□□□;□□□□□□□□... □□ □□□□□□□□□□□□ □□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□□□।□□□□□; (भविष्यवाणी करने में उत्साही रहो... अन्य भाषाओं को बोलने से मना मत करो।)
- इफिसियों 4:11-13 - □□□□□;□□□□□□□... □□□□□□□□□... □□□□□ □□□□□□□□□□□□□...□□□□□; (भविष्यवक्ता दिए... जब तक हम एकता प्राप्त नहीं कर लेते।)

10. पूर्ण पतितता (ईश्वर की कृपा के बिना मनुष्य ईश्वर की खोज करने में असमर्थ) – कैल्विन के ट्यूलिप का मूल सिद्धांत

कैल्विन ने पाप के कारण पूर्ण अक्षमता का सिद्धांत दिया।

सहायक पाठ: रोमियों 3:10-11 - □□□□□;□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□... □□□ □□□□□ □ □□□□□□□ □□□ □□□□।□□□□□; (कोई भी धर्मी नहीं... कोई भी ईश्वर की खोज करने वाला नहीं।)

विरोधाभास: अधिनियम 17:27 - □□□□□;□□□□□□ □□□ □□□□, □□ □□□ □□ □□□□□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□...□□□□□; (भगवान को खोजने के लिए, यदि शायद वे उसे टटोल सकें और पा सकें...) संभावित परिणाम के रूप में □□□□□;□□□□□□□□□□□□; (ढूंढें) के साथ (□□□□□;□□□□□□□□□□□□;) खोजने की क्षमता का तात्पर्य है।

11. पूर्वनियति/बिना शर्त चुनाव (मानवीय हस्तक्षेप का अभाव) – कैल्विन और नॉक्स का मुख्य विषय

ईश्वर बिना किसी शर्त के चुनाव करता है, जैसा कि केल्विन के □#39;इंस्टीट्यूट्स□#39; में वर्णित है।

सहायक पाठ: इफिसियों 1:4-5 - □□□□□;□□□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□... □□□□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□□□।□□□□□□; (नींव से पहले हमें चुना... गोद लेने के लिए पूर्वनिर्धारित।)

विरोधाभास: 2 पीटर 1:10 - □□□□□;□□□□□□□, □□□□□□□□, □□□□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□□□...□□□□□□; (अपनी कॉलिंग और चुनाव को सुनिश्चित करने के लिए मेहनती रहें...) □□□□□;□□□□□□□□□□□□□□□□; (बनाना) का तात्पर्य □□□□□;□□□□□□□□□□□□□□; (चुनाव) की पुष्टि करने के लिए मानवीय कार्रवाई से है।

12. इच्छाशक्ति का बंधन (मुक्ति में स्वतंत्र इच्छाशक्ति का अभाव) – लूथर का अपने प्रसिद्ध ग्रंथ में दिया गया सिद्धांत

लूथर ने अपनी पुस्तक □□□□□;द बॉन्डेज ऑफ द विल□□□□□; में तर्क दिया कि पाप के कारण मोक्ष में मनुष्यों में स्वतंत्र इच्छाशक्ति का अभाव होता है।

सहायक पाठ: रोमियों 7:18 - □□□□□;□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□, □□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□, □□□□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□, □□ □□ □□□□□□□□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□.□□□□□; (मैं जानता हूँ कि मुझमें, अर्थात् मेरे शरीर में, कोई अच्छाई नहीं रहती; क्योंकि इच्छा तो मौजूद है, परन्तु भलाई करने की क्षमता नहीं।)

विरोधाभास: फिलिप्पियों 2:12-13 - □□□□□;□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□□ □ □□□□ □□□ □□□□□ □ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□□।□□□□□; (डर और कांप के साथ अपने उद्धार का कार्य करें; क्योंकि ईश्वर ही आप में अपनी इच्छा और अपनी अच्छी खुशी के लिए कार्य करने का कार्य कर रहा है।) □□□□□;□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□; (कार्य करें) आउट) भगवान के कार्य के साथ-साथ □□□□□;□□□□□□□□□□□□□□; (मोक्ष) में सक्रिय मानव भागीदारी का आदेश देता है।

13. सीमित प्रायश्चित (ईसा मसीह केवल चुने हुए लोगों के लिए मरे) – कैल्विन की शिक्षा

कैल्विन का मानना था कि मसीह की मृत्यु केवल चुने हुए लोगों के लिए ही प्रभावी थी।

सहायक पाठ: मैथ्यू 26:28 - □□□□□;□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□□□□□।□□□□□; (यह वाचा का मेरा खून है जो बहुतों के पापों की क्षमा के लिए बहाया गया है।)

विरोधाभास: 1 जॉन 2:2 - □□□□□;□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□, □□ □□□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□□□।□□□□□; (वह हमारे पापों का प्रायश्चित है, और केवल हमारे ही नहीं बल्कि पूरे संसार के पापों का भी।) □□□□□;□□□□ □□□ □□□□□□□□□□□□; (पूरा संसार) चुने हुए लोगों से परे भी विस्तारित है।

14. दोहरा पूर्वनियति (ईश्वर कुछ लोगों को नरक में जाने के लिए पूर्वनियत करता है) - कैल्विन और नॉक्स में निहित

कैल्विन के पूर्वनियति सिद्धांत में गैर-चुने हुए लोगों के लिए निंदा भी शामिल है।

सहायक पाठ: रोमियों 9:22 - □□□□□;□□ □□ □□□□□ □ □□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□□।

विरोधाभास: 2 पीटर 3:9 - □□□□□;□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□□।□□□□□; (इच्छुक नहीं कि कोई भी नष्ट हो जाए लेकिन सभी पश्चाताप करने आते हैं।) □□□□□;□□ □□□□□□□□□□□□□□□□□; (इच्छुक नहीं) □□□□□;□□□□□ □□□□□□□□□□□□□□□□□; (किसी के भी नष्ट होने की) की दिव्य इच्छा को नकारता है।

यह दस्तावेज़ नए नियम के ग्रीक भाषा के तनावों को उजागर करता है, जो यह दर्शाता है कि प्रोटेस्टेंट जोर, हालांकि सुधारवादी है, सिद्धांतों को अधूरा छोड़ सकता है - सार्डिस के सुदृढ़ होने और पश्चाताप करने के आह्वान की प्रतिध्वनि करते हुए।